भजन

अर्श वाले ये रूह तेरे सदके, जबसे थामा है हाथ दे के मुझे
तब से रोशन हुई शमा बुझ के

1- निगेहबान बन के जब हो साथ मेरे,
राहें आसान करीब मंजिल हो
आप दे दें पनाह अपने चरण,
बन जाये तुम्हारा घर दिल वो
अर्श का सब खजाना लेकर के,
आप ही आप बस रहो दिल में

2- बस तुम्हारी नजर ही मिलती रहे,
और कोई सहारा क्या मैं करूं
हक सूरत रहे जो आंखो में,
और कोई नजारा क्या मैं करूं
आपके बल से छूटे ये दुनिया,
वरना कुछ भी नहीं मेरे बस में

3- लाड तुमने बहुत लडाए हैं,
अपनी रूहों को ए मेरे प्रीतम
लाड इक भी तुम्हारा याद रहे,
न परेशां करें फना के सितम
आपके प्यार की पली रूहें,
तुमपे कुरबान हो गई हंस के